सुख और सुकून के लिए वास्तु

जीवन की आपाधापी में, व्यक्ति अपनी गाढ़ी कमाई से एक घर बनाता है. उसमें प्रत्येक सुविधाओं की वस्तुओं को संजोता है. पर जब रहने जाता है तो उसे तनाव, अशांति का सामना करना पड़ता है. ऐसे में जरूरी है कि उन तथ्यों की खोज की जाएं जिनसे सुख, समृद्धि और सुकून मिल सकें. आखिर क्या है वे कारण जिनसे ऐसी स्थितियाँ बनती है और क्या है निराकरण आइए जानते हैं...

वास्तु के निम्न बिन्दुओं (टिप्स) को अपना कर घर की शांति और सुकून को पुनः प्राप्त किया जा सकता है -

ऋणात्मक उर्जा से मुक्ति

सबसे पहले हमें अपने घर को ऋणात्मक उर्जा से मुक्ति दिलानी चाहिए!

- जब हम पुराने घर से नए घर में प्रवेश करते हैं तो अपने सामान के साथ मे वर्षों से इकट्ठा किये हुए पुराने अनुपयोगी सामान को भी साथ ले आते है कारण हम इनसे भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं? ऐसे पुराने सामान को घर से बाहर निकालिए.
- घर के लॉफ्ट (टांड) और बॉक्स पलंगों पर यदि इनमे कोई पुराने कपडे बिस्तर आदि रखे हैं तो उन्हें साल मे कम से कम दो बार बाहर निकाले धूप दिखाएँ और वापस रखे. रखने से पहले सेंधा नमक युक्त पानी का पोछा भी लगा लें.
- घर के सभी टॉयलेट साफ़ रखें और उनमें ऐसी चीनी मिट्टी के पात्र में खडा नमक या सेंधा नमक के डीगले रखें और इन्हें हर पन्द्रहवें दिन जल में बहा कर नए डीगले रख दें.
- हफ्ते में एक बार पूरे घर में, पानी में, थोडा-सा समुद्री नमक, सेंधा नमक या खडा नमक डालकर पोंछा लगवाएं.
- जूतों को संभाल कर रखे देखें की बेतरतीब से न पड़े रहें, जंहाँ तक संभव हो उनका प्रवेश मुख्य द्वार तक ही सीमित रखें.
- बीम के नीचे तथा सीढ़ियों के नीचे ऋणात्मक उर्जा पायी जाती है. अतः ऐसे स्थानों पर न बैठे न ही सीढियों के नीचे पूजाघर, स्टडी रूम बनायें.
- घर में कभी भी कैक्ट्स, कंटीली झाडियां या पौधे न रखें. इन्हें लगाने से बिना कारण परेशानियां खडी हो जातीं हैं.
- रात में में झूठे बर्तन नहीं रखना चाहिए. यदि साफ़ करना संभव न हो तो कम से कम किचन से बाहर कर दें, ध्यान रखे सोते समय शयनकक्ष में इन्हें बिलकुल भी नहीं होना चाहिए.
- घर में पूजा घर शौचालय के बगल में नहीं बनाना चाहिए यदि भूल वश ऐसा है तो इसे बदल दें और ईशान कोण(पूर्व-उत्तर) में ही बनवाएं.
- शयनकक्ष में दर्पण न लगाएं यदि ऐसा संभव न हो तो कम से कम ऐसी व्यस्था करें की कि सोते समय व्यक्ति का प्रतिबिंबित उसमें न दिखे घर में दर्पणों को लगाते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए.
- पूजा का स्थान किचन में बनाना भी समस्याओं को जन्म देता है.
- पूजा का मंदिर बनाने के लिए माइका का उपयोग नहीं करना चाहिए क्योंकी इस में ग्लोसी परत लाने ले लिए जानवरों की हड्डी से निर्मित जिलेटिन का उपयोग किया जाता है.

धनात्मक उर्जा का प्रवाह बढ़ाना

- सुबह सूर्य उदय से लेकर दोपहर 12 बजे तक आपके घर में जिन खिडकियों से धूप आ सकती हो उन्हें खोल कर रखें या उनके परदे हटा दें.
- ईशान कोण में जल कलश, एक्वेरियम या कोई झरना अवश्य रखें. इससे घर में शान्ति और समृद्धि आती है.
- घर के मुखिया को दक्षिण पश्चिम (नैऋत्य) कोण के शयन कक्ष का उपयोग करना चाहिए.
- अच्छी और बाधा रहित निद्रा के लिए तकिया हमेशा दक्षिण दिशा में होना चाहिए, यदि किसी कारण वश यह संभव न हो तो पूर्व मे भी तकिया रखा जा सकता है.
- दर्पण हमेशा उत्तर दिशा की दीवाल में ही लगाना चाहिए.
- ड्राइंग रूम में ताजे फूलों के गुलदस्ते से खुशनुमा माहौल का निर्माण होता है.

कुछ टिप्स फेंग शुई के भी

- छः रोड वाली विंड चाइंड प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर लटकाना फेंगशुई के अनुसार शुभ होता है ये भर मे ख़ुशी ओर शान्ति लातीं हैं.
- मुख्य द्वार के सामने लाफिंग बुदधा की मूर्ती इस तरह राखी जानी चाहिए की घर मे प्रवेश करते वाले व्यक्ति के नज़र उस पर पड़े. ऐसी मान्यता है की आगंतुक यदि आपके प्रति ऋनात्मक विचार लेकर घर में प्रवेश करता है तो लौफिंग बुदधा उसके विचारों को बदल देते हैं.

- मुख्य द्वार के बाहर बगुआ मिरर लगाएं यह बाहर से आने वाली ऋणात्मक ऊर्जा को बिखराकर लौटा देता है.

अनिल कुमार वर्मा
बी टेक, एफ आई ई, एफ आई वी,
चार्टर्ड इंजीनियर, वास्तु / जियोपैथिक स्ट्रेस सलाहकार एवं वाटर डाउसर,
सर्टिफाइड साइंटिफिक एवं पिरामिड वास्तु विशेषज्ञ
मोबाइल : 94250 28600

Talk to your target customers directly
Bulk SMS | SMS Panel | Voice Calls | Toll Free No. | Missed Call Service